

11/10/17 पत्रावलीपेशा/ पत्रावली दिनांक 20/11/10 से
वास्ते नोटिस जारी हेतु निर्धारित थी। परंतु
बादमें वकील अर्थात् द्वारा राजीनामा हेतु आग्रह
करने पर दिनांक 2/8/10 से 27/3/17 तक
वास्ते राजीनामा पेशा हेतु लम्बित रही है
दिनांक 27/3/17 की आदेशिका से अर्थात्
वकील को अर्थात्गिण से नोटिस जारी
रजि. A.D से अजमे के आदेश दिए गए थे
परंतु उस आदेशिका का पालन नहीं किया
गया है व मुझे यह प्रतीत होता है कि
अर्थात्गिणों पर समन की तारीख डाठ महसूस

रफ्तार पर न देने से हु नही हुई है अतः CPC 1908
के 04 R 2 की पालना उरते हुए वाक/गर्वना
पत्र अर्धी वहील द्वारा तारील समय पर न
ब्रवा लम्ने के कारण रजारेज त्रिया जाता है
पत्रावली फुल्ल शुमार हो उर नम्बर से उर
हो उर तबरील वारिल वपतर हो।

श्री